एक नजर में

सांदीपनि विद्यालय के छात्र का हुआ चयन

बाकानेर ।सांदीपनि विद्यालय के कक्षा आठवीं के छात्र अंकित कमलेश चौहान ने मेरिट कम मींस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया साथ ही अपने माता-पिता का नाम रोशन किया इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती अनीता सोनी, शिक्षक मोहन सिंह वास्केल सहित समस्त स्टाफ ने छात्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दी छात्र को कक्षा नवी से 12वीं तक ?1000 प्रति माह शासन द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विजय जाट का गृह आगमन पर ऐतिहासिक स्वागत

धार। राष्ट्रीय जाट तेजवीर संगठन के नवनियुक्त जिला धार जिलाध्यक्ष भाई विजय जाट के प्रथम गृह नगर आगमन पर समाज जनों और मित्रों द्वारा उत्साहपूर्ण एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन की एकता और शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। मंदिर दर्शन से हुई शुरुआत- विजय जाट के आगमन पर सबसे पहले श्री तेजा जी मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। यहाँ बड़ी संख्या में उपस्थित परिवारजनों, ग्रामीण जनों और इष्ट मित्रों ने फूल-मालाओं और ढोल-धमाकों के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में युवा इकाई के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ऋषभ जाट का भी गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया।

विभिन्न ग्रामों में उमड़ा जनसैलाब-स्वागत का यह सिलसिला केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहा। इसके पश्चात- ग्राम पंचायत बख्तगड़, ग्राम पीपलीया और ग्राम झरिपाड़ा में समाज के वरिष्ठों और युवाओं द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किए गए। ग्रामीणों ने साफा बांधकर और पुष्पवर्षा कर नए नेतृत्व का मनोबल बढ़ाया।

समाज सेवा का संकल्प- इस अवसर पर विजय जाट ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वे उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। उनका मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं को जोड़ना और सामाजिक कुरीतियों को दूर कर समाज को प्रगति के पथ पर ले जाना है।

उपस्थिति-इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे, जिन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

हम मिलजुल कर रहे एक दूसरे को सहयोग करे टांग न खींचे

बदनावर। साध्वी ऋतंभरा ने स्थानीय कृषि उपज मंडी में धर्मसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति और परंपराओं के प्रति लोगों में चेतना जगाई। कानवन में उन्होंने लगभग 38 लाख रुपए की लागत से निर्मित एक नवीन गौशाला का लोकार्पण भी किया। साध्वी दीदी ऋतंभरा ने कहा कि विश्व में भारत की शक्ति बढ़ी है। जिस जहाज पर तिरंगा लगा होता है, उस पर कोई देश मिसाइल गिराने की हिम्मत नहीं करता। हमारा देश मानव जाति के कल्याण के लिए सोचने वाला है, जो पूरी दुनिया में %वसुधैव कुटुंबकम% का भाव रखता है। उन्होंने कहा कि %वसुधैव कुटुंबकम% की परंपरा भारतीय संस्कृति की पहचान है। %सभ्यता शरीर है तो संस्कृति आत्मा% है। संस्कृति ज्ञान का परिणाम है भारतीय एकता का मुख्य आधार संस्कृति है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम लला विराजमान हुए। यह हमारी सबसे बी जीत है। श्रीराम परम शांति और सुख के धाम हैं। जीवन में कभी भी पराजित न होने की उर्जा उनका दर्शन करने से प्राप्त होती है। श्रीराम दरबार बेहद अदभुत है जहां माता जानकी के साथ प्रभु दिव्य दर्शन दे रहे हैं।

जगह-जगह हुआ स्वागत,-इससे पहले, इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा बदनावर पहुंचने के दौरान रास्ते भर विभिन्न गांवों में उनका पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। उनके साथ संत सत्यश्रेयगिरी महाराज और पूर्व उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव भी मौजूद थे। कानवन में उन्होंने लगभग 38 लाख रुपए की लागत से निर्मित एक नवीन गौशाला का लोकार्पण भी किया। गौशाला के लोकार्पण के बाद, वे विभिन्न गांवों से होती हुई बड़ी चौपाटी पहुंचीं, जहां लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत, उन्होंने बैजनाथ महादेव मंदिर में दर्शन किए। उनका काफिला बस स्टैंड सोमेश्वर चौराहा होते हुए दुर्गा चौक पहुंचा, जहां वे अमित जैन के निवास पर कुछ देर रुकी। इसके बाद, उन्होंने अपने शिष्य सत्यश्रेयगिरी महाराज के घर जाकर उनकी माता से मुलाकात की। राज्य मंत्री श्रीमती सावित्रीठाकुर ने सभी मातृशक्ति केसाथ बैठकर सभी मातृशक्ति के साथ दीदी मां का संदेश सुना और सभी में एकरूपता और का संदेश दिया पूर्व मंत्री ने बांधी पगड कृषि उपज मंडी में आयोजित धर्मसभा में पूर्व मंत्री दत्तीगांव ने साध्वी को पगड़ी पहनाकर अभिनंदन पत्र और तलवार भेंट की। बजरंग दल के विभाग संयोजक और कार्यक्रम आयोजक लाखन सिंह जादौन ने गदा भेंट कर उनका स्वागत किया। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर सहित आयोजन समिति के मनोज सोमानी, राजेश अग्रवाल, अमित जैन, सुषमा पाठक, शेखर यादव, प्रहलाद सिंह सोलंकी, कुसुम सिंह दत्तीगांव, जितेंद्र जाट , प्रेमचंद परमार, सुमिल मोदी, मनीष गुर्जर, प्रह्लाद यादव, योगेश मुकाती, कन्हैयालाल गुर्जर ने भी उनका स्वागत किया। संत सत्यश्रेयगिरी महाराज ने स्वागत भाषण दिया और वत्सल्य ग्राम तथा साध्वी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन कवि मुकेश मोलवा, प्रीतेश सिंह पंवार और योगेश पाटीदार ने किया। आभार कार्यक्रम संयोजक लाखन सिंह जादौन ने व्यक्त किया। धर्मसभा पश्चात वे अखंड परमधाम आश्रम पहुंचे। जहां उन्होंने करीब 67 लाख लॉगत से नगर में स्वीकृत हुई करीब 6 आंगनवाी भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके अलावा वे प्राचीन देवी एकवीरा मन्दिर भी पहुंचे। जहां उन्होंने देवी के दर्शन किए।

मनावर के ऋषि बॉलीवुड में कर रहे हैं नाम रोशन

- हालिया रिलीज फिल्म सूबेदार में लिखे हैं गीत
- कई फिल्मों, विज्ञापन और वेब सीरीज में कर चुके हैं काम

मनावर ।(निर्मल जौहरी) कहते हैं ना मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है ।पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। इस प्रसिद्ध शेर को अपने जीवन में आत्मसात कर इसे जीवंत कर दिया है मनावर के युवा ऋषि उपाध्याय ने। आज उन्होंने मुंबई जैसी महानगरी में छोटे से क्षेत्र से निकलकर अपने हौसले, प्रतिभा और आत्मविश्वास से बॉलीवुड में एक सफल मुकाम बनाया है। इनकी कहानी कड़ी मेहनत और लगन का जीता जागता उदाहरण है।

विगत दिनों अनिल कपूर , सौरभ शुक्ला ,मोना सिंह जैसे कलाकारों से सजी फ़िल्म सूबेदार रिलीज़ हुई।

जिसका मुख्य गीत 'लल्ला' लिखने वाले और कोई नहीं बल्कि निमाड़ के बहुमुखी कलाकार, गीतकार, गायक ऋषि

उपाध्याय हैं।

मुंबई की कई एड. फिल्मों, सीरियल्स और प्राइवेट एल्बम्स में लेखन ,गीत ,संगीत और आवाज़ देने वाले ऋषि मनावर नगर के चहेते कलाकार हैं।

उनके बचपन के मित्र और साहित्यकार विश्वदीप मिश्रा बताते हैं कि ऋषि मेधावी और बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। बचपन से ही गीत संगीत से उनको एक जुनून के हद तक चाहत थी। कई बार वह मेरे सामने अपनी प्रस्तुति देकर एक आम श्रोता के हिसाब से उसमें कमियां बताने का आग्रह करते रहते थे।

उन्होंने बताया कि-मनावर (धार) में अध्ययन और इंदौर के श्री कृष्ण संगीत महाविद्यालय से संगीत में मास्टर डिग्री ले के वे, संगीत में अपना हुनर दिखाने, फ़िल्म नगरी मुंबई पहुंचे, पर भाग्य ने उन्हें फिल्मों की बजाए, विज्ञापन की दुनिया का ख्यात लेखक बना दिया। एंबिएंस डार्सी एड एजेंसी से शुरू करके, लॉ एंड कैनेथ और साची एंड साची जैसे इंटरनेशनल ग्रुप में काम करते हुए, कैंट वाटर प्यूरीफायर, हीरो मोटो कॉर्प, पी एंड जी विक्स, बोरोप्लस, हिमानी, मेरिको पैराशूट, गोदरेज, रामबंधु जैसे सैकड़ों ब्रांड्स और राजनैतिक पार्टियों के लिए भी कैंपेन लिखे। विज्ञापन जगत के प्रतिष्ठित रेडियो मिर्ची अवार्ड और गोवा फेस्ट जैसे अवॉर्ड्स भी जीते। पिछले ढाई दशक से ज़्यादा समय में ऋषि उपाध्याय ने सैकड़ों विज्ञापन, कैंपेन लेखन,क्रिएटिव डायरेक्शन के अतिरिक्त अपने पहले प्यार संगीत से कई एड जिंगल्स लिखे और उनकी धुनें रचीं। साथ ही हिंदी ,उर्दू और संस्कृत में वॉयस ओवर करते हुए, ऑडिबल डॉट कॉम जैसे प्लेटफार्म पर कई ऑडियो बुक्स में अपनी आवाज़ दी।

ऋषि उपाध्याय- लोककला, संगीत और सिनेमा में बहुमुखी पहचान

ऋषि उपाध्याय ने फ़िल्म सेंसर बोर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में सैकड़ों फिल्मों को सेंसर किया है। लोककला विशेषकर निमाड़ी से उनका प्यार उनकी इंस्टा रील्स में दिख ही जाता है। घूमने के शौकीन ऋषि ने 'रोमिंग ऋषि म्यूज़िक' नाम से अपना इंस्टा चैनल भी बना रखा है। उन्होंने फोक फैमिली नाम का एक लोकगीत बैंड बनाया है जिसमें उनके परिवार के सदस्य ही मिलकर लोकगीत प्रस्तुतियां देते हैं। उनके दोनों बालक, वरेण्य और वरद उपाध्याय एडवर्टाइजिंग फील्ड के वॉयस ओवर आर्टिस्ट और गायक हैं और कई विज्ञापनों में एक्टिंग और अपनी आवाज़ से योगदान दे चुके हैं। उनके बड़े बेटे वरेण्य ने %लव यू शंकरा% नाम की फिल्म का टाइटल गीत गाया है। ऋषि उपाध्याय ने मुंबई में युवा प्रतिभाओं के लिए 'द रूट्स ओपन माइक' नाम का नि:शुल्क सांस्कृतिक मंच बनाया है और उसे 4 सालों से सफलतापूर्वक चला रहे हैं। वे संस्कार भारती के मुंबई महानगर सह—महामंत्री पद पर रहते हुए अपने कला और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी कर रहे हैं। ऋषि उपाध्याय के फिल्मी, ?र फ़िल्मी सभी गीतों को उनके यूट्यूब चैनल रोमिंग ऋषि म्यूजिक और स्पॉटिफाई पर सुना जा सकता है। ऋषि बताते हैं कि सूबेदार फिल्म के गीत 'लल्ला' को लिखने के लिए उन्होंने बुंदेलखंडी अंदाज़ के बोलों का उपयोग किया है। क्योंकि रोहन—विनायक के संगीत और सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन से सजी फ़िल्म सूबेदार की कहानी की पृष्ठभूमि वहीं की है। उन्होंने बताया कि फ़िल्म की स्क्रीनिंग के दौरान जब वे अनिल कपूर से मिले तो उन्होंने खुश हो कर ऋषि को गले से लगा कर बधाई देते हुए कहा कि 'लल्ला' गीत ने वाकई फिल्म में जान डाल दी है। उनकी हालिया रिलीज़ फिल्म सूबेदार को प्राइम वीडियो ओटीटी प्लेटफार्म पर देखा जा सकता है।

किसानों की मांगे पूरी नहीं होने तक आंदोलन रहेगा जारी

सरदारपुर । किसान तो तो अपना हक और अधिकार मांगता लेकिन सता विपक्ष के नेताओं के साथ जुड़े किसान ही किसान की बर्बादी के कारण बन रहे हैं किसान हित में गूंगे और बहरे बन गए हैं जिसका खमियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सरदारपुर से विशेष निवेदन किसानो की जायज मांगों पर ध्यान दें अन्नदाता ही सब का तारण हार है अगर वह दुखी तो पूरा देश दुखी रहेगा हम तो अपना अधिकार मांगते नहीं किसी से भीख मांगते घोषणाएं तो बहुत हो गई अब जमीन पर काम चाहिए अन्नदाता ही दुखी रहेगी तो तो फिर देश में हरियाली कैसे आएगी

- कृषि कार्य प्रभावित हो रहे है।
- दीवार की आड में अपराधिक गतिविधियों का संचालन हो रहा है।
- कृषि क्षेत्र के कार्य में महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड रहा है।
- निजी भूमि का व्यवसायिक उपयोग नहीं हो पा रहा है।

चुकि नई अधिसूचना में उक्त राजस्व क्षेत्र को खरमोर से पृथक कर दिया गया है व उक्त क्षेत्र से खरमोर अभ्यारण्य की दुरी भी लगभग 05 से 06 कि .मी . है। अत : स्थानिय निवासीयों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उक्त एकोस्टिक वाल बाउंड्री को हटाने की अनुशंसा सहित प्रतिवेदन आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित है।

ऊपरोक्त विषय में निवेदन है कि म.प्र. शासन की अधिसूचना क्रमांक 2410-दस-2-83 दिनांक 10.02.83 से सरदारपुर अभ्यारण्य के नाम से खरमोर पक्षी के संरक्षण के लिए अभ्यारण्य घोषित किया गया था जिसमें कुल 14 ग्रामों का राजस्व क्षेत्र भी सम्मिलित था। ततसमय इन्दौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के उन्नयन के समय शर्तों के अधिन संबंधित एजेंसी द्वारा धुलेट के समीप से राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एकोस्टिक वाल बाउंड्री का निर्माण किया गया था। चुकि खरमोर अभ्यारण्य की नई अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक 169 दिनांक 03.07.2025 में उक्त 14 ग्रामों का राजस्व क्षेत्र को खरमोर अभ्यारण्य से पृथक किया जाकर वनमंडल झाबुआ व धार का वनक्षेत्र सम्मिलित किया गया है।

अंबरबाई भागवत यज्ञ 19 से, पंचकुण्डी 21 से

सरदारपुर । ग्राम हनुमन्त्याकाग के अति प्राचीन अम्बरबाई माताजी मंदिर पर मालवा माटी के प्रसिध्द संत गोविन्द जाने के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत ज्ञानगंगा यज्ञ का आयोजन 19 मार्च से 25 मार्च 2026 तक किया जाएगा जिसमे दिनांक 19 मार्च को सुबह 8 बजे कलश यात्रा भोलेनाथ मंदिर हनुमन्त्याकाग से प्रारंभ होगी जो ग्राम भ्रमण करते हुए अम्बरबाई माताजी मंदिर पहुचेंगी और पूजन अर्चन पश्चात श्रीमद् भागवत ज्ञानगंगा यज्ञ प्रारंभ होगी, भागवत ज्ञानगंगा यज्ञ का समय दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक रहेगा। आयोजन के दौरान दिनांक 21 मार्च से 25 मार्च 2026 तक यज्ञाचार्य प. राजेश शर्मा के सानिध्य मे अम्बरबाई माताजी मंदिर पर पंचकुण्डी यज्ञ एवं कलश स्थापना प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

सरदार पटेल की 150 वीं एकता यात्रा मनावर पहुंची

मनावर । लौह पुरुष सरदार पटेल जी की 150 वीं एकता यात्रा, जो गुजरात से प्रारंभ होकर धार ग्रामीण जिले के मनावर में पहुँची। इस अवसर पर धार जिला ग्रामीण अध्यक्ष चंचल पाटीदार एवं जिला पदाधिकारी द्वारा यात्रा का स्वागत एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। रथ पर सरदार पटेल जी के सम्मान में प्राप्त प्रतीक चिन्ह जिसमें सम्मान पत्र, सोने का अशोक स्तंभ के भी दर्शन किए। इस दौरान सरदार पटेल द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुएं जैसे उनका संदूक, चरण पादुका एवं उनकी जेब घड़ी भी प्रदर्शनी के रूप में रथ पर देखी गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा के अध्यक्ष सतीश पटेल, रथ संयोजक बाबू पटेल, मनु भाई पटेल, जी.बी. पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष अजय पाटीदार,

भाजपा जिला पदाधिकारी लोकेश मुकाती, अंकित शुक्ला, राहुल राठौर, पीयूष पाटीदार, सोनाली श्रीवास्तव, यशराज तोमर सहित भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता बंधु एवं समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

लौह पुरुष सरदार पटेल जी के विचार और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

कुक्षी। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के तहत स्थानीय दाताहरी वाटिका में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन हुआ। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां भारती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

वैचारिक मजबूती और अंत्योदय पर मंथन- प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ वक्ताओं ने भाजपा की मूल विचारधारा और अंत्योदय (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) के सिद्धांत पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता अम्बाराम पाटीदार और द्वितीय सत्र के वक्ता राकेश मोटसरा ने कार्यकर्ताओं को केंद्र व राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता

के बीच ले जाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि प्रशिक्षण से ही कार्यकर्ता के कौशल में निखार आता है।

शिविर के प्रथम दिवस वरिष्ठ भाजपा नेता लूणकरण गुप्ता, गोमाजी सेप्टा, गणेश मुकाती, नगर परिषद अध्यक्षा श्रीमती रेलम चौहान और कन्हैयालाल व्यास मंचासीन रहे। द्वितीय दिवस के सत्रों में वरिष्ठ नेता गणेश जिराती, मोहन लाल सोनी, कैलाश जातपुरिया, विजय गुप्ता, रमन माली, ममता पहाड़िया, पद्मिनी चव्हाण, रेखा जैन और पद्मा ठाकुर का आतिथ्य प्राप्त हुआ।अतिथि परिचय पूनम कसेरा ने कराया।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा नेता जयदीप पटेल,जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार,वरिष्ठ नेता मोहन चौपड़िया, नितिन पहाड़िया, देवराम पाटीदार, राजा राठौड़, संदीप पटेल,जयदीप गुंजाल,मनीष भावसार, आनंद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन पर कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे प्रशिक्षण की बारीकियों को बूथ स्तर तक ले जाएंगे।

कार्यक्रम का संचालन ओपी पाटीदार ने किया एवं आभार नगर मंडल अध्यक्ष युवराज सेप्टा ने माना।उक्त जानकारी मिडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता नें दी।

एक नजर में

नव संवत्सर 2083 का नाम रौद्र होगा और साल के राजा बृहस्पति होंगे

19 मार्च को रौद्र नवसंवत्सर व चैत्र नवरात्रि शुरू, 13 माह का वर्ष : डॉ. अशोक शास्त्री

धार. हिंदू नववर्ष की शुरुआत 19 मार्च से होगी। इस नव संवत्सर 2083 का नाम रौद्र होगा और साल के राजा बृहस्पति होंगे। गुरुवार से शुरू होने वाले इस साल का देश और दुनिया पर इसका विशेष असर देखने को मिलेगा ।

इस संदर्भ में ज्योतिष गुरु डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष का आरंभ होता है। हिंदू नववर्ष 2083 की शुरुआत 19 मार्च से होने जा रही है। इस दिन गुरुवार होगा इसलिए नव संवत्सर 2083 के राजा देव गुरु बृहस्पति होंगे। वहीं इस संवत्सर का नाम रौद्र होगा। हिंदू नववर्ष की शुरुआत बेहद खास मानी जाती है क्योंकि इससे यह पता चलता है कि आने वाला समय देश-दुनिया के लिए कैसा रहेगा।

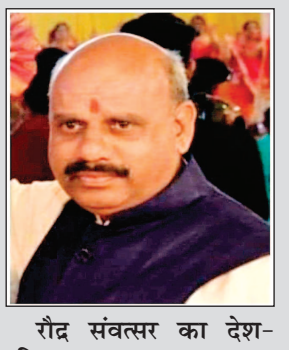

रौद्र संवत्सर का देश-दुनिया पर प्रभाव

गुरुवार 19 मार्च से शुरू होने वाले रौद्र संवत्सर को ज्योतिषीय दृष्टि से बहुत अच्छा नहीं माना जा रहा। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, यह साल राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उथल-पुथल मचा सकता है। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। सरकार और जनता के बीच विश्वास में कमी आएगी। मतभेद इतने बढ़ सकते हैं कि युद्ध तक की स्थितियां पैदा हो सकती हैं। यानि रौद्र नाम के इस संवत्सर में देश-दुनिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका है।

डॉ. अशोक शास्त्री के मुताबिक़ नए संवत्सर की शुरुआत से चैत्र नवरात्रि भी शुरू होती हैं और हर बार माता अलग सवारी पर सवार होकर आती हैं। माता की सवारी से भी आने वाले साल की भविष्यवाणी की जाती है। इस बार गुरुवार को नव संवत्सर शुरू हो रहा है इसलिए माता की सवारी पालकी यानि डोली है। पालकी पर माता का सवार होकर आना आर्थिक परेशानियां पैदा करने वाला हो सकता है। इसके साथ ही प्राकृतिक आपदाओं के कारण जनता को महंगाई का सामना करना पड़ सकता है।

डॉ. अशोक शास्त्री के मुताबिक़ इस साल बारिश पहले से कम हो सकती है। मानसून कमजोर होंगे इसलिए फसल पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सूखा और आगजनी की घटनाएं हो सकती हैं जिसके कारण कई देशों का वातावरण प्रभावित होगा। इसके साथ ही भूकंप, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी आम जनमानस को परेशान कर सकती हैं।

डॉ. शास्त्री के अनुसार, चैत्र नवरात्रि के दिन ही ब्रह्मा जी ने संसार की रचना शुरू की थी। इस दिन से सतयुग प्रारंभ भी हुआ था। इसलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को बेहद शुभ माना जाता है। इसीलिए सम्राट विक्रमादित्य ने भी इस दिन से ही हिंदू नव वर्ष का प्रारंभ अपने पंचाग में किया था।डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि सामान्य तौर पर हिंदू पंचांग में 12 महीने होते हैं, लेकिन विक्रम संवत 2083 में कुल 13 महीने होंगे। इसकी वजह है अधिक मास का पड़ना । इस साल ज्येष्ठ मास दो बार आएगा, इसलिए साल में एक अतिरिक्त महीना जुड़ जाएगा । इस अतिरिक्त महीने को मलमास, अधिक मास या पुरुषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है ।

घर के मंदिर में दीपक जलाकर पूजा करनी चाहिए

हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित है । चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है, जबकि सौर वर्ष करीब 365 दिनों का माना जाता है । इस तरह दोनों के बीच लगभग 11 दिनों का अंतर रह जाता है । इसी अंतर को संतुलित करने के लिए लगभग हर तीन साल में एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है । यही अतिरिक्त महीना अधिक मास कहलाता है । वर्ष 2026 में यह अधिक मास 17 मई से 15 जून के बीच रहेगा । इसके कारण कई प्रमुख व्रत और त्योहार सामान्य समय से करीब 15 से 20 दिन आगे हो सकते हैं । हिंदू नववर्ष के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना शुभ माना जाता है । इसके बाद स्वच्छ कपड़े पहनकर घर के मंदिर में दीपक जलाकर भगवान की पूजा करनी चाहिए । आरती करने के बाद भगवान को भोग लगाएं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करें ।इस दिन जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र या भोजन का दान करना भी बहुत पुण्यदायी माना गया है ।